NBT
नवभारत टाइम्स
मुम्बई, बुधवार, 26 नवम्बर, 2008, मूल्य 3.00 रुपये

बंध्यत्व के इलाज के लिए एडवांस टेकनीक

मुम्बई,(न.प्र)। दंपतियों में बांझपन के कारण की विवेचना करें तो तकरीबन 40 प्रतिशत मामलों में यह पुरूषों में फर्टिलिटी संबंधी समस्या के चलते होता है।

लेकिन अब इनफर्टिलिटी से ग्रसित ऐसे पुरुषोंके लिए इंटरासाइटोप्लाजमिक स्पर्म इंजेक्शन एक ऐसा माध्यम बनकर सामने आया है जो उनकी पिता बनने की संभावना को बढ़ा सकने में मददगार साबित हो सकता है। इसके लिए आईएमएसआई जैसी एडवांस टेकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इससे प्रेग्नेंसी रेट को बढ़ाने में सफलता मिलेगी।

मेल इनफर्टिलिटी से उबरने के लिए इंटरासाइटोप्लाजमिक स्पर्म इंजेक्शन बना एक बेहतर ऑप्शन

गौर तलब है कि लीलावती अस्पताल में एक नई माइक्रोस्कोप मशीन लगाई गई है। इस बाबत इनफर्टिलिटी स्पेशियलिस्ट नंदिता पलशेतकर और ऋषिकेश पई ने बताया, 'इस मशीन की खासियत है कि इसमें एक स्पर्म 7,200 गुना ज्यादा बड़े आकार का दिखता है। इस वजह से अब अस्पताल के इंफर्टिलिटी एक्सपर्ट आसानी से और बेहतर तरीके से अच्छे स्पर्म चुन सकेंगे। जबकि पहले आईसीएसआई टेक्निक में यह कैपेसिटी 200 गुना थी।'

यह तकनीक पहली बार किसी भारतीय अस्पताल में इस्तेमाल होने वाला है। और जाहिर है इससे आईवीएफ की सफलता दर निश्चित रूप से बढ़ेगी।